M	T	W	T	F	S	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

AUG '19

July 2019 13
Wk 28 • 194-171
Saturday

~~सम्बन्ध की वह व्यवस्था~~ समझते हैं जो माता-पिता तथा उनकी सन्तानों के मध्य पायी जाती है।"
By- Clayer

"By family we mean a system of relationship existing between parents and children"

विश्व परिवार दिवस (International day of the family) हर साल 15 May को मनाया जाता है।
1994 में संयुक्त राष्ट्र अमेरिका ने घोषित किया था

Types of Family

① संयुक्त परिवार = Joint Family

संयुक्त परिवार ऐसे परिवार हैं जहाँ दादा-दादी बुआ चाचा-चाची माता-पिता तथा उनकी सन्तानें रहती हैं। संयुक्त परिवार में कार्यों तथा उत्तरदायित्वों का वितरण संयुक्त रूप से किया जाता है। परिवार का एक मुखिया होता है जिसके द्वारा सदस्यों में सामंजस्य बना रहता है।

Sunday 14

② एकांकी परिवार - OR. एकल परिवार Single Family

एकाकी परिवार में माता-पिता तथा उनकी सन्तानें रहती हैं। आर्थिक गतिविधियों के प्रचलन के कारण भारत में इस प्रकार के परिवारों का प्रचलन बढ़ रहा है।

Important Calls | Things to Do | Meetings

Family

9.00
③ गतिशील परिवार – Dynamic Family

10.00
गतिशील परिवार ऐसे परिवार होते हैं
11.00 जो समय के साथ-साथ बदलते रहते हैं।
गतिशील परिवारों में आधुनिकीकरण की
12.00 प्रवृत्ति देखी जाती है। ये पुरातन मूल्यों
तथा आदर्शों के स्थान पर नवीन प्रतिमानों
1.00 की स्थापना करते हैं।

2.00
④ रूढ़िवादी परिवार – Conservative Family

3.00 रूढ़िवादी परिवार वे परिवार हैं जो
सामाजिक परिवर्तन तथा आधुनिकीकरण
4.00 की प्रवृत्ति को सहजता से नहीं अपनाते
हैं। ये परिवार वर्षों से चली आ रही
5.00 परम्पराओं और रूढ़ियों को ढोते रहते हैं।

6.00
परिवार की विशेषताएँ
Characteristic of Family

7.00
① परिवार स्थायी होता है
परिवार लैंगिक सम्बन्धों पर आधारित
होता है।
② परिवार पालन-पोषण एवं भरण-पोषण

Important Calls ✓ | Things to Do ✓ | Meetings ✓

के लिए उत्तरदायी होता है।
③ यह बालकों की प्रथम पाठशाला होती है।
④ यह रक्त सम्बन्धों पर आधारित होती है।
⑤ परिवार में स्त्री-पुरुष दोनों की महत्ता होती है।

परिवार का महत्व (Importance of Family)

परिवार के महत्व का आकलन निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर किया जा सकता है—
① बच्चे के समाजीकरण की प्रक्रिया परिवार से ही प्रारम्भ होती है।
② परिवार ही बालक के चारित्रिक विकास, व्यक्तित्व विकास तथा समुचित शिक्षा व्यवस्था का दायित्व लेता है।
③ बच्चे के अनुशासन की नींव परिवार से ही प्रारम्भ होती है।
④ बच्चे के अन्दर त्याग, कर्तव्यनिष्ठा, धैर्य ईमानदारी तथा सहयोग एवं परोपकार जैसे गुणों का विकास परिवार में रहकर ही सम्भव है।
समानता तथा न्याय के आदर्शों का विकास परिवार में ही होता है।
सामाजिक उत्तरदायित्व तथा देश-प्रेम की भावना का विकास परिवार में ही होता है।

Important Calls ✓	Things to Do ✓	Meetings ✓
☐	☐	☐
☐	☐	☐
☐	☐	☐

17 July 2019
Wednesday
Wk 29 • 198-167

M	T	W	T	F	S	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

JUL '19

परिवार के कार्य (Functions of Family)

परिवार के प्रमुख कार्य निम्नलिखित है-

1. शारीरिक विकास का कार्य
2. मानसिक विकास का कार्य
3. सामाजिक विकास का कार्य
4. धार्मिक विकास का कार्य
5. नैतिक एवं चारित्रिक विकास का कार्य
6. व्यक्तित्व विकास का कार्य
7. व्यवसायिक विकास का कार्य
8. संवेगात्मक विकास का कार्य

लिंग असमानता एवं परिवार की भूमिका Gender Inequalities and Role of Family

'लिंग असमानता' सबसे पहले परिवार में शुरुआत होती है। माता-पिता की दृष्टि से सभी बच्चे बराबर होते हैं। लेकिन सर्वप्रथम परिवार में बेटी की कामना न करके बेटे की कामना की जाती है। यही से लिंग असमानता प्रारम्भ हो जाती है। यदि पुत्र कामना के बाद भी पुत्री का जन्म होता है तो परिवार में न तो कोई धूम-धाम से समारोह किया जाता है और नही

Important Calls ✓ | Things to Do ✓ | Meetings ✓

July 2019 — 18 Thursday
Wk 29 • 199-166

नये कन्या शिशु का स्वागत किया जाता है। परिवार से लेकर रिश्तेदारों तक तथा समाज में सभी की इस सन्दर्भ में ठण्डी प्रतिक्रियां हो जाती हैं और बहुत सी विपत्ति उनके ऊपर आ गयी हों।

इसके बाद पोषण की दृष्टि से भी उनमें असमानता रखी जाती है। शैशवावस्था में भी उनके ऊपर ध्यान नहीं दिया जाता है। उन्हें पौष्टिक भोजन नही दिया जाता है और न ही उनके स्वास्थ्य को खराब न होने के लिए टीकाकरण आदि की प्रवृत्ति ठीक प्रकार से निभायी जाती है। माता की दृष्टि से यद्यपि उसके सभी बच्चे बराबर होते हैं, लेकिन फिर भी वह अपने बेटे के पोषण पर बेटी की अपेक्षा अधिक ध्यान देती है। यही व्यवहार परिवार के अन्य सदस्य करते हैं।

इसलिए इस समस्या का समाधान भी पारिवारिक पृष्ठभूमि में ही खोजने का प्रयास इन बिन्दुओं के अन्तर्गत किया जा रहा है।

(I) समानता का व्यवहार
(II) सर्वांगीण विकास का कार्य
(III) साथ-साथ रहने, कार्य करने की
(IV) समान शिक्षा व्यवस्था

Important Calls ✓	Things to Do ✓	Meetings ✓
☐	☐	☐
☐	☐	☐
☐	☐	☐